Global Journal of Multidisciplinary Studies Available online at www.gjms.co.in

Volume 3, Issue 3, Feb 2014

ISSN: - 2348-0459

महिलायें एवं उनकी राजनीति में सहभागिता (म0प्र0 के संदर्भ में)

कु दामिनी उइके

राजनीति विज्ञान विभाग

रानी दुर्गावति विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

डॉ. (श्रीमति) रश्मि टंडन मिश्रा

सहा.प्रा.राजनीति विज्ञान विभाग

शा.महाकौशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय , जबलपुर (म.प्र.)

भूमिका – वर्तमान में महिलाओं की राजनीति में जागरूकता सिमित न रहकर व्यापक रूप से बढ सकती है महिलाओं का प्रत्येक वर्ग चाहे आरक्षित वर्ग की महिलायें हों अथवा अनारक्षित वर्ग की महियें हो सभी वर्ग की महिलायें राजनीति में सहभागिता बन रहीं है। इस कारण इस प्रभाव से हमारा मध्य प्रदेश भी अछूता नहीं रह गया है। बल्कि आजकल हमारे मध्य प्रदेश में महिलाओं की राजनीति में अहम भूमिका है।

शब्दकोश :- राजनीति, जागरूकता, अनारक्षित, सहभागिता।

प्रास्तावना

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद महिलाओं की राजनैतिक स्थिति में धीरे–धीरे सुधार हुआ है और महिलाओं की सह भागिता राजनीति में बढ़ रही है। हमारे देश के कर्णधारों ने महिलाओं को पुरूष वर्ग के समकक्ष लाने तथा उन्हें राजनीति में भाग लेने हेतु प्रेरित किया। इस कारण हमारे मध्य प्रदेश में भी महिलायें राजनीति में भाग लेने हेतु अग्रसर हुई है।

देश की आधी आबादी महिलाएं हैं । जिसके बगैर हम समाज की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं । महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभा रही है । पुरूष प्रधान समाज में स्त्रियों के साथ सदियों से हो रहे उस अन्यायपूर्ण व्यवहार के लिए समाज की बीमार मानसिकता जिम्मेदार हैं । कमजोर विवेक के पुरूष अपनी सारी कमी और चरित्रहीनता को स्त्रियों पर मढ़ देते हैं । स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद भले ही शिक्षा, तकनीकी, भाषा, खान–पान और जीवन शैली में देश ने बहुत विकास कर लिया है । लेकिन अभी भी हमारे यहां बीमार मानसिकता वाला एक बड़ा वर्ग मौजूद है । ऐसे ही लोग हर हाल में स्त्री को दोषी मानते हैं । स्त्री और जुल्म दोनों का बहुत ही गहरा रिश्ता रहा है । मानव सभ्यता का विकास जैसे–जैसे रफ्तार पकड़ता गया उसी के साथ ही औरत का शोषण भी बढ़ता गया । पूर्व वैदिक काल में मातृसत्तामक समाज ने करवट ली और सत्ता पुरूष प्रधान होते ही औरत की स्थिती बद से बदतर होती चली गयी ।

वर्तमान स्थिति :– आजकल महिला संगठनों द्वारा अपने अधिकारों को लेकर सवतंत्ररूप से संघर्ष (आंदोलन) भी चलाये जाते है। तथा राजनीति में भी महिलायें पुरूष वर्ग के समान बढ़–चढ़ कर हमारे प्रदेश सम्मिलित हो रहीं है।

वर्तमान में मध्य प्रदेश में शासन ने ग्राम पंचायतों में कुछ सरपंच के पद महिलाओं को आरक्षित किये हैं जिससे महिलाओं की राजनीति में

Volume 3, Issue 3, Feb 2014

ISSN: - 2348-0459

सहभागिता बढ़ी है। जनपद पंचायतों में अध्यक्ष पद, जिला पंचायतों में अध्यक्ष पद, तथा नगरपालिकाओं में भी कुछ अध्यक्ष पद महिलाओं के लिये आरक्षित किये गये है। इस कारण भी महिलाओं की मध्य प्रदेश में राजनीति में जागरूकता बढ़ी है तथा सह भागिता भी बढ़ी है।

मध्य प्रदेश में माननीय मुख्य मंत्री जी ने महिलाओं के लिये तेतीस प्रतिशत से भी अधिक आरक्षण पंचायतों एवं नगर पालिकाओं तथा नगर निगमों के चुनाव में आरक्षण दिया है। इस कारण सैकड़ों महिलायें मध्य प्रदेश की राजनीति में सहभागिता बनकर सम्मिलित हुई है। अतः इस प्रकार हम कह सकते है कि मध्य प्रदेश में राजनीति में महिलाओं की सहभागिता बहुत अच्छे ढंग से प्रगति कर रही है। वर्तमान में जबलपुर शहर में जबलपुर नगर पालिका निगम महिलाओं को आरक्षण मिलने के कारण कई वार्डो में पार्षद के चुनाव महिलायें भाग ले रही है। तथा महापौर के पद हेतु भी महिला प्रत्याशी ही चुनाव में भाग ले रहे हैं क्योकि यह पद (महापौर) महिला के लिये आरक्षित है। वर्तमान में श्रीमति स्वाती गोडबोले तथा श्रीमति गीता तिवारी श्रीमति विद्या खंगार आदि प्रमुख महिलायें महापौर पद के प्रत्याक्षी के रूप मे चुनाव में भाग ले रही है इसके पूर्व भी दो महिलायें (1) श्रीमति सुशिला सिंह एवं (2) सुश्री कल्याणी पाण्डें जी जबलपुर नगर निगम के महापौर पद पर सुशोभित हो चुकी है।

मध्य प्रदेश विधान सभा में कई महिलायें राजनीति में भाग लेकर विधायक पद पर चुनी गई है। हमारे जबलपुर सेवर्तमान में श्रीमति प्रतिभासिंह ठाकुर तथा श्रीमति नंदिनी मरावी महिला विधायक चुनी गई हैं तथा इसके पूर्वश्रीमति जयश्री बैनर्जी विधायकएवं कैबिनेट मंत्री तथा सु श्री कौशल्या गोंटिया भीमहिला मंत्री रह चुकी है। मध्य प्रदेश सेकुछ महिलायें संसद सदस्य भी निर्वाचित हुई है।

Volume 3, Issue 3, Feb 2014

ISSN: - 2348-0459

मध्य प्रदेश के इतिहास में पहली बार एक नया अध्याय जुड़ गया है तथा मध्य प्रदेश पूरे भारतवर्ष में गौरान्वित हो रहा है क्योकि मध्य प्रदेश की महिला सांसद श्रीमति सुमित्रा महाजन लोक सभा की अध्यक्ष पद पर सुशोभित है। म0प्र0 से प्रथम बार महिला सांसद निर्वाचित होकर संसद की लोकसभा अध्यक्ष पद पर महिला सांसद निर्वाचित होने से मध्य प्रदेश में राजनीति में महिलाओं की प्रतिष्ठा बढ़ाकर मध्य प्रदेश का नाम रोशन किया है।

अतः इससे स्पष्ट होता है कि मध्यप्रदेश में महिलाओं की राजनीति ममें सहभागिता उच्चस्तर की ओर अग्रसर हो रही है। इसी कारण लोकसभा अध्यक्ष मध्य प्रदेश की झोली में आया तथा म0प्र0 का नाम लोक सभा के पटल पर स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया है। यह उपलब्धि मध्य प्रदेश को महिलाओं की राजनीति में सहभागिता।

संदर्भ ग्रंथ

1. http://www.mandla.nic.in, http://www.tribalportal.mp.nic.in/

2. पौराणिक माहिष्मति मण्डला (2011) गोंडी पब्लिक ट्रस्ट मण्डला पेज नं. 23–26

3. गढा – मण्डला के गोड राजा (2000) राम भरोसे अग्रवाल पेज नं. 30–33

4. भारत की जनजातिय संस्कृति (2009) विजयषंकर उपाध्याय पेज नं. 35–38

5. भारत की जनजातिय संस्कृति (2009) विजयषंकर उपाध्याय पेज नं.35–38

6. पौराणिक माहिष्मति मण्डला (2011) गोंडी पब्लिक ट्रस्ट मण्डला पेज नं. 30–34

7. महिला सषक्तिकरण एवं समग्र विकास (2008) प्रेम नारायण षर्मा संजीव कुमार झा वाणी विनायक पेज नं. 15–20

8. महिला सषक्तिकरण एवं समग्र विकास (2008) प्रेम नारायण षर्मा संजीव कुमार झा वाणी विनायक पेज नं. 25–31

9. पंचायती राज और महिला सषक्तिकरण (2010) सीमा सिंह पेज नं. 26–30

Volume 3, Issue 3, Feb 2014

ISSN: - 2348-0459

10. पंचायती राज और महिला सषक्तिकरण (2010) सीमा सिंह पेज नं.34–38

11. पंचायती राज और महिला सषक्तिकरण (2010) सीमा सिंह पेज नं. 45–50

12. पौराणिक माहिष्मति मण्डला (2011) गोंडी पब्लिक ट्रस्ट मण्डला पेज नं. 43–49

13. पंचायती राज व्यवस्था (2012) डॉ. गौतम वीर पेज नं.27–32

14. महिला सषक्तिकरण एवं समग्र विकास (2008) प्रेम नारायण षर्मा संजीव कुमार झा वाणी विनायक पेज नं.13–20